आज का सुविचार
सफलता के पीछे कठिनाई और परिश्रम ही होता है।

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है.. संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 76 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 18 जुलाई 2025 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

मुख्यमंत्री के बिना परामर्श के राज्यपाल विधानसभा का विघटन कर सकता है जानिए

भारतीय संविधान अधिनियम, 1950 के अनुच्छेद 153 से 162 तक राज्य के राज्यपाल के बारे में प्रावधान किया गया है द्य संविधान के अनुच्छेद 154 के अनुसार राज्य की कार्यपालिका की शक्तियाँ राज्यपाल के पास होती है द्व राज्य के मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री तक की नियुक्ति राज्य के राज्यपाल द्वारा की जाती है एवं राज्य के समस्त कर्मचारी राज्यपाल के अधीन ही कार्य करते हैं।

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

राज्यपाल, मुख्यमंत्री की सलाह या बिना सलाह के कब विधानसभा भंग करने का अधिकार रखता है जानिए -

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 174(2) के अनुसार राज्यपाल समय समय पर किसी सदन का सत्रावसान कर सकता है अथवा विधानसभा का भी विघटन कर सकता है। विधानसभा विघटन में स्वविवेक के प्रयोग का अवसर तब प्राप्त होता जब दलबदल के कारण या कोई सरकार अल्पमत में रह गई हो तब राज्यपाल स्वयं विवेक द्वारा विधानसभा का विघटन कर सकता है।

कब -कब राज्यपाल ने स्वयं के विवेकाधिकार करके विधानसभा का विघटन किया जानिए-

1. वर्ष 1976 में बिना मुख्यमंत्री से परामर्श के तमिलनाडु के राज्यपाल ने तमिलनाडु की विधानसभा को भंग कर दिया था।
2. वर्ष 1989 में कर्नाटक के राज्यपाल वैकट सुवैया ने मुख्यमंत्री बोम्मई की सलाह के बिना विधानसभा भंग कर दी गई थी।

राज्यपाल द्वारा विधानसभा भंग होने पर राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करना-

अनुच्छेद 356 के अनुसार राज्य के राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति शासन की सिफारिश कर सकता है।

मप्र बनेगा वैश्विक वस्त्र विनिर्माण का नया केंद्र : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंडिटेक्स ने मध्यप्रदेश के ईएसजी मॉडल और टेक्सटाइल इकोसिस्टम को सराहा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की स्पेन यात्रा के दूसरे दिन का फोकस वैश्विक कपड़ा एवं फैशन क्षेत्र के दिग्गजों से निवेश संवाद का रहा। स्पेन के गैलिसिया स्थित इंडिटेक्स मुख्यालय में हुई बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश को हरित, लागत-प्रतिस्पर्धी और ट्रेसिबल उत्पादन हब के रूप में प्रस्तुत किया। बैठक में इंडीटेक्स समूह के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ व्यापारिक साझेदारी और सतत निवेश की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार टेक्सटाइल क्षेत्र में वैश्विक साझेदारियों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इंडिटेक्स जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड की उपस्थिति से राज्य में आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और हरित उत्पादन को गति मिलेगी। हम इस साझेदारी को सभी स्तरों पर समर्थन देने को तत्पर हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार (ईएसजी) (Environment, Social, Governance) मूल्यों को बढ़ावा देती है। वॉटर रिसायक्लिंग, वेस्ट मैनेजमेंट और डीसेंट वर्क स्टैंडर्ड्स राज्य में लागू हैं। इंडिटेक्स की जिम्मेदार सोर्सिंग नीति के साथ मध्यप्रदेश की दृष्टि पूरी तरह से मेल खाती है।

प्रदेश के ईएसजी मॉडल की सराहनाः मध्यप्रदेश सरकार द्वारा विकसित किये जा रहे ईएसजी (पर्यावरण सामाजिक और सुशासन) मॉड्यूल को वैश्विक स्तर पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इंडिटेक्स के श्री जोसे एम रोमाये और मार्था फ्रांकोस रे ने राज्य के ईएसजी मॉडल की सराहना करते हुए इसे गंभीरता से लिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि मध्यप्रदेश का यह मॉडल स्थिर विकास, समावेशिता और सुशासन के लिये एक रोल मॉडल बन सकता है। उन्होंने प्रदेश में ईएसजी लक्ष्यों को नीति निर्माण में हो रहे प्रयासों और टेक्सटाइल सेक्टर में निवेश के लिये उपलब्ध इकोसिस्टम की सराहना की।

मध्यप्रदेश टेक्सटाइल सेक्टर के लिए आदर्श स्थान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश देश के शीर्ष कच्चा कपास उत्पादक राज्यों में से एक है, जहाँ सालाना लगभग 18 लाख बेल्स (3 लाख मीट्रिक टन) का उत्पादन होता है। राज्य में 15 से अधिक टेक्सटाइल क्लस्टर हैं इसमें इंदौर, मंदसौर, बुरहानपुर, उज्जैन, नीमच जैसे केंद्र टेक्सटाइल उत्पादन में अग्रणी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि धार जिले में भारत सरकार की पीएम मित्रा योजना के अंतर्गत विकसित हो रहा टेक्सटाइल मेगा पार्क इंडिटेक्स जैसे वैश्विक ब्रांडों के लिए सस्टेनेबल और इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग का आदर्श केंद्र बन सकता है।

MP Police Regulation- 621, थाने में बंद कैदियों को साफ सफाई में क्या- क्या सुविधा दी जानी चाहिए

एक हवालात में बंदियों को ठंड के मौसम में कम्बल दिए जाने चाहिए एवं थाना अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे की कम्बल साफ और ठीक स्थिति में है या नहीं। साथ ही हवालात में ताजा पानी (गर्मी के मौसम में ठंडा) और साफ-सफाई की व्यवस्था भी की जाए , यह सभी जिम्मेदारी थाना अधिकारी की होती है जानिए।

मध्यप्रदेश पुलिस विनियम क्रमांक 621 की परिभाषा

हवालात की साफ-सफाई और रख-रखाव की जिम्मेदारी थाना अधिकारी की है हवालात में बंदियों के लिए स्वच्छता और स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए।

विनियम में प्रावधान

1. **कम्बल की देखभाल-** हवालात में बंदियों को दिए गए कम्बल ठीक स्थिति में होने चाहिए।
2. **पानी और साफ-सफाई-** हवालात में ताजा पानी उपलब्ध होना चाहिए और पुराना पानी हटाया जाना चाहिए।
3. **पेशाब घर-** हवालात में पेशाब घर होना चाहिए और नियमित रूप से उसमे साफ किया जाना चाहिए।
4. **मरम्मत और रिपोर्ट-** हवालात में कोई भी समस्या या मरम्मत की आवश्यकता होने पर पुलिस अधीक्षक (SP) को तुरंत रिपोर्ट की दी जानी चाहिए।

उक्त विनियम हवालात में बंदियों के स्वास्थ्य और स्वच्छता को सुनिश्चित करने के लिए है। थाना अधिकारी की जिम्मेदारी है कि वे हवालात की साफ-सफाई और रख-रखाव का ध्यान रखें और बंदियों को स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण प्रदान करें।

राज्यपाल श्री पटेल ने न्यायमूर्ति श्री सचदेवा को मुख्य न्यायाधिपति की शपथ दिलाई

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के 29वें मुख्य न्यायाधिपति की शपथ मनोनीत न्यायमूर्ति श्री संजीव सचदेवा को दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन गुरूवार को राजभवन के सांदीपनि सभागार में किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल श्री पटेल और उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने नव नियुक्त मुख्य न्यायाधिपति श्री सचदेवा को शपथ ग्रहण के बाद पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने शपथ ग्रहण समारोह का संचालन किया। उन्होंने राष्ट्रपति द्वारा न्यायाधीश श्री संजीव सचदेवा को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधिपति नियुक्त किए जाने की अधिसूचना का वाचन किया। शपथ ग्रहण समारोह में खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंगार, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, रजिस्ट्रार जनरल मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय श्री धरमिंदर सिंह, महाधिवक्ता श्री प्रशांत सिंह, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, जिला न्यायालय एवं बार के सदस्य, विभिन्न आयोगों के पदाधिकारी सहित जन प्रतिनिधि एवं शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पटना(बिहार) चलो। पटना(बिहार) चलो।

बड़े भैया ने बुलाया है
छोटे भाई को जाना है
तन मन धन अर्पण करना है
भाई के हाथों को मजबूत करना है।।

भीम आर्मी भारत एकता मिशन का 10 वाँ स्थापना दिवस

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

दिनांक -21 जुलाई 2025
दिन -सोमवार
स्थान- बापू जी सभागार पटना (बिहार)

सतना - आप सभी सम्मानित छोटे बड़े भाई, बहिन ,माताएं ,युवा को बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ यह सूचित किया जाता है कि बहुजन महापुरुषों की विचारधारा में भारत देश का एक मजबूत संगठन हर वर्ग को साथ में लेकर चलने वाला, अन्याय , अत्याचार, भ्रष्टाचार के खिलाफ और शिक्षा,रोजगार, को लेकर आवाज उठाना वाला संगठन भीम आर्मी अपना स्थापना दिवस इस वर्ष बिहार में मना रहा है जिसमें सतना जिले का युवा वर्ग अधिक से अधिक जनसंख्या में पहुंच रहा है भीम आर्मी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आग्रह है कि अधिक से अधिक जनसंख्या में बिहार के बापू जी सभागार ,पटना (बिहार) स्थान पर पहुंचे।

नोट- भीम आर्मी के 10वे स्थापना दिवस पर यह आग्रह है कि आप सभी छोटे बड़े भाई ,बहिन,कर्मचारियो से आग्रह है कि सहयोग (1,2,3.....)रुपए करे आपके छोटे भाई की उम्मीद आप पर हमेशा रहेगी। सहयोग कर आशीर्वाद प्रदान करे7 आपका अपना भाई आपके सुख दुख में 24 घंटे खड़ा मिलेगा

Online pay: 91094 23355

आपका अपना बेटा
विजय वर्मा
(भीम आर्मी जिला संयोजक)

सिविल अस्पताल बैरागढ़ में संचालित न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट का सीएमएचओ भोपाल द्वारा निरीक्षण

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

भोपाल। सिविल अस्पताल बैरागढ़ के एन बी एस यू का मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ मनीष शर्मा द्वारा निरीक्षण किया गया इस दौरान भर्ती बच्चों के उपचार और डिस्चार्ज बच्चों के फॉलोअप की जानकारी ली गई। सिविल अस्पताल बैरागढ़ में चार बिस्तरीय एन बी एस यू संचालित है। जिनमें प्रतिमाह 25 से 30 नवजात शिशुओं को विभिन्न चिकित्सकीय जटिलताओं के आधार पर उपचार हेतु भर्ती किया जाता है। भोपाल जिले में सिविल अस्पताल बैरागढ़ के अलावा सिविल हॉस्पिटल बैरसिया और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी न्यू बोर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट संचालित है । निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ ने निर्देश दिए कि ज़रूरी होने पर ही नवजात बच्चों को अन्य संस्थाओं में रेफर किया जावे। रेफरल करने के पूर्व जिस अस्पताल में रेफर किया गया है , वहां के चिकित्सक और स्टाफ से बात करने के पश्चात की रेफरल किया जावे । इस बात की जानकारी परिजनों को भी दी जाए। रेफर किए गए बच्चों के स्वास्थ्य का फॉलोअप सुनिश्चित किया जाए। जिन बच्चों को उपचार के लिए दूसरी संस्थाओं में रेफर किया गया है उनका ऑडिट संस्था स्तर पर प्रत्येक सप्ताह किया जावे । अस्पताल में रात के समय प्रसव होने की स्थिति में शिशु रोग विशेषज्ञ की उपस्थिति भी सुनिश्चित की जाए।

गायत्री परिवार: एक नैतिक और आध्यात्मिक आंदोलन

गायत्री परिवार एक विश्वव्यापी आध्यात्मिक और सामाजिक संगठन है जो भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर आधारित है। इसकी स्थापना पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य ने 1926 में की थी। गायत्री परिवार का मुख्य उद्देश्य नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को बढ़ावा देना, समाज में सद्भाव और शांति स्थापित करना और व्यक्तिगत और सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करना है।

गायत्री मंत्र का महत्व

गायत्री परिवार का मूल आधार गायत्री मंत्र है, जिसे वेदों में सबसे पवित्र मंत्रों में से एक माना जाता है। यह मंत्र ज्ञान, बुद्धि और आध्यात्मिक जागृति का प्रतीक है। गायत्री परिवार के सदस्य प्रतिदिन गायत्री मंत्र का जाप करते हैं और इसे अपने जीवन का मार्गदर्शन मानते हैं।

गायत्री परिवार के सिद्धांत

गायत्री परिवार के कुछ प्रमुख सिद्धांत इस प्रकार हैं

- **नैतिकता और सदाचार**- गायत्री परिवार नैतिकता और सदाचार को जीवन का आधार मानता है। इसके सदस्य सत्य, अहिंसा, प्रेम और करुणा जैसे मूल्यों का पालन करते हैं।
- **आध्यात्मिकता**- गायत्री परिवार आध्यात्मिकता को व्यक्तिगत और सामाजिक विकास का मार्ग मानता है। इसके सदस्य ध्यान, योग और अन्य आध्यात्मिक अभ्यासों के माध्यम से अपनी आध्यात्मिक चेतना को विकसित करते हैं।
- **समाज सेवा**- गायत्री परिवार समाज सेवा को एक महत्वपूर्ण कर्तव्य मानता है। इसके सदस्य शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और अन्य क्षेत्रों में समाज सेवा के कार्यों में भाग लेते हैं।
- **एकता और सद्भाव**- गायत्री परिवार सभी धर्मों और संस्कृतियों का सम्मान करता है और एकता और सद्भाव को बढ़ावा देता है।

गायत्री परिवार के कार्य

गायत्री परिवार विभिन्न प्रकार के सामाजिक और आध्यात्मिक कार्यों में संलग्न है, जिनमें शामिल हैं-

- **शिक्षा**- गायत्री परिवार स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों का संचालन करता है, जहाँ छात्रों को नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों के साथ-साथ आधुनिक शिक्षा भी प्रदान की जाती है।
- **स्वास्थ्य**- गायत्री परिवार अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों का संचालन करता है, जहाँ लोगों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।
- **पर्यावरण**- गायत्री परिवार पर्यावरण संरक्षण के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है, जैसे कि वृक्षारोपण, जल संरक्षण और कचरा प्रबंधन।
- **आध्यात्मिक शिक्षा**- गायत्री परिवार आध्यात्मिक शिक्षा के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है, जैसे कि योग, ध्यान और प्रवचन।
- **सामाजिक कार्य**- गायत्री परिवार सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय है, जैसे कि गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करना, आपदा राहत और पुनर्वास।

गायत्री परिवार का प्रभाव

गायत्री परिवार ने भारत और दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। इसने लोगों को नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों का पालन करने, समाज सेवा में भाग लेने और व्यक्तिगत और सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित किया है।

शांतिकुंज

गायत्री परिवार का मुख्यालय हरिद्वार, भारत में स्थित शांतिकुंज है। यह एक आध्यात्मिक केंद्र है जहाँ लोग ध्यान, योग और अन्य आध्यात्मिक अभ्यासों के लिए आते हैं। शांतिकुंज में एक विश्वविद्यालय भी है, जहाँ छात्रों को नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों के साथ-साथ आधुनिक शिक्षा भी प्रदान की जाती है।

निष्कर्ष

गायत्री परिवार एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक और सामाजिक संगठन है जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम कर रहा है। इसके नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों और सामाजिक कार्यों ने लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। गायत्री परिवार एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

लेखिका डॉ. ईरा वर्मा

अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने मनाया पेपर बैग डे

पेपर बैग डे पर एनसीसी के 55 कैडेट्स ने पेपर बैग कार्यशाला में प्रतिभाग किया।

एनसीसी कैडेट्स ने पेपर बैग डे के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यशाला का उद्देश्य सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देना और क्लाथ व पेपर बैग के उपयोग को बढ़ावा देना था। कार्यशाला की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अनिल वाजपेयी जी के उद्बोधन से हुई जिसमें उन्होंने बताया कि पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए हमें जूट और पेपर से बनी चीजों का प्रयोग करना चाहिए । उन्होंने यह भी बताया कि कागज का भी प्रयोग कम से कम करना चाहिए। कैडेट्स ने स्वंय द्वारा तैयार कलाकृतियुक्त बैग्स पर पर्यावरण, सुरक्षा का संदेश चित्रित किया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि कला विभाग की प्रवक्ता डॉ श्यामा ने कैडेट्स को पेपर बैग बनाना सिखाए और उसके उपयोग पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय की एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ मनोरमा कौशिक ने मुख्य अतिथियों का स्वागत और धन्यवाद ज्ञापित किया। सी ओ कर्नल कुलदीप सिंह ने अपने संदेश में एनसीसी कैडेट्स को नो प्लास्टिक यूज अभियान चलाने की प्रेरणा दी। कार्यशाला में मुख्य रूप से, पी आई दामोदर घोष, मांडवी राठौर एवं कैडेट्स तनु, अनुष्का,,दीक्षा, निशा सिंह,श्रेया सिंह की भूमिका सराहनीय रही।

बालाघाट पुलिस द्वारा नक्सल समर्थकों पर सख्त कार्रवाई के तहत् सहयोगी नैनसिंह धुर्वे गिरफ्तार

ज्ञान चन्द शर्मा (युवा प्रदेश) बालाघाट पुलिस द्वारा विगत दिनों पचामादादर कटे झिरिया के जंगल में मुठभेड़ के बाद से ही बालाघाट पुलिस द्वारा सर्चिंग कार्यवाहियों के अन्तर्गत नक्सलियों की तलाश एवम् नक्सलियों की मदद कर विधिवत् क्रियाकलाप में लिप्त लोगों एवम् इस पूरे इकोसिस्टम की जानकारी प्राप्त कर लगातार तस्दीक दी जा रही थी इसी समय ग्राम ठाकुरटोला निवासी नैनसिह धुर्वे लगातार नक्सलियों की मदद करने एवम नक्सल विचारधारा का प्रचार प्रसार करने संबंधी विधिविरुद्ध क्रियाकलापों में शामिल होने की आसूचना प्राप्त हो रही थी जिस पर गुप्त रूप से पैनी निगरानी रखी गई। पर्याप्त आसूचना पर ठाकुर टोला निवासी नैनसिंह धुर्वे से गहन पूछताछ की गई जिसने नक्सल गतिविधियों में शामिल होना स्वीकार किया।उसने बताया कि गांव में पिछले 06 महिने में करीब 3 से 4 बार नक्सलियों द्वारा बैठक ली गई। नैनसिंह धुर्वे द्वारा नक्सलियों की मांग पर आई. डी.ब्लास्ट में उपयोग की जाने वाली कुकर बम्ब बनाने की सामग्री तथा मल्टीमीटर बैटरी,वायर,ब्राउन टेप,ग्रीस, इलेक्ट्रोनिक टेप,बोल्ट कटर आदि उपलब्ध कराई गई। नैनसिंह धुर्वे के घर की सर्चिंग करने पर नक्सली संतु की हस्तलिपि मे एक सूची प्राप्त हुई हैं जिसमें स्पष्ट रूप से विस्फोट करने की उक्त सामग्री उपलब्ध कराने की बात कही गई हैं।जिससे स्पस्ट रूप से विस्फोट करने की उक्त सामग्री उपलब्ध कराने की बात कही गई हैं। ग्राम ठाकुरटोला के नैनसिंह धुर्वे के खिलाफ विधि विरुद्ध क्रियाकलाप की गतिविधि में संलिप्त होने के पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।जिसके निवास स्थान पर प्राप्त नक्सलियों की हस्तलिपि की पर्ची को विधिवत् बीएनएस की धारा 105 के तहत् विडियो रिकॉर्ड कर जप्त की गई। नैनसिह धुर्वे से जप्त की मोबाईल फोन का एनालिसिस किया जा रहा हैं।

विवाह प्रस्ताव ठुकराने पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

ज्ञानचन्दशर्मा बालाघाट। विवाह प्रस्ताव ठुकराने पर युवती और परिजनों पर जानलेवा हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तारी से बचने अपना ठिकाना बदलता रहा और पुलिस को चकमा देता रहा।पुलिस द्वारा तैनात तीन टीमों ने सतत निगरानी और तकनीकी मदद से लगातार पीछा करते हुए आरोपी को पकड़ने में सफलता प्राप्त कर ली है।आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू एवम् फरार होने के दौरान प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं। विगत 12 जुलाई को डायल 100 पर सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम बुदबुदा में एक युवक ने युवती व उसके परिजनों पर चाकू से हमला कर दिया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश पंद्रो व एसडीओपी वारासिवनी अभिषेक चौधरी के नेतृत्व में तत्काल पुलिस टीमों का गठन कर कार्यवाही शुरू की गई। वारासिवनी पुलिस के मौकास्थल पर पहुंचने पर ज्ञात हुआ कि आरोपी धनेन्द्र उर्फ सोनू ठाकरे निवासी सावंगी ने सीमा राणा पर उसके घर में घुसकर चाकू से जानलेवा हमला किया।बीच बचाव करने आए परिजनों में पिता बस्तीराम राणा पर भी वार किया। इसके बाद आरोपी ने 90 वर्षीय दादी और 3 वर्षीय बच्चे पर भी लाठी से हमला कर घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल सभी पीड़ितो को वारासिवनी से जिला अस्पताल बालाघाट रिफर किया गया। वहा पर पीड़ितों ने पुलिस को बताया कि आरोपी पूर्व परिचित था,जो विवाह प्रस्ताव टूटने के बाद लगातार पीड़िता को परेशान कर रहा था।पीड़िता की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 339/25 धारा 109(1),332(क) बीएनएस के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया।आरोपी की गिरफ्तारी हेतू गठित पुलिस टीमों को मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों पर रवाना किया गया।तकनीकी एवम् मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी को 15 जुलाई को ग्राम शेरपार के पास से गिरफ्तार किया गया।आरोपी को आज 16 जुलाई बुधवार को माननीय न्यायालय वारासिवनी में पेश किया गया है। इनकी रही उल्लेखनीय भूमिका एसडीओपी वारासिवनी अभिषेक चौधरी,थाना प्रभारी उप निरीक्षक हेमंत नायक, उनि हेमन्त नायक, उनि धर्मराज सिंह बघेल, सउनि तरुण सोनेकर, सउनि राजेश सनोदिया, प्रआर. कृष्णकुमार बघेल, प्रआर.शाहिद परवेज, आर.कल्याण सिंह भदौरिया, आर.तरेंद्र बिसेन, आर. हेमन्त बघेल, आर.नवीन वरकडे, आर.श्यामसुंदर परमार, आर.जय भगत, आर.प्रदीप पुट्टे का सराहनीय योगदान रहा।

हाथियों का झुंड पहुंचा अहिरगवा, लोगों ने ली राहत की सांस, वन विभाग ने कहा अब सही मार्ग पर हैं हाथी

संभागीय संवाददाता -राजू राय

शहडोल। हाथी मूलतः अनूपपुर से उमरिया और फिर छत्तीसगढ़ की ओर आते-जाते हैं। लेकिन इस बार उन्हें लोगों द्वारा खदेड़े जाने पर वे भटक कर शहडोल की सीमा में प्रवेश कर गए थे।शहडोल जिले में पिछले पांच दिनों से दहशत फैला रहे हाथियों ने अब शहडोल की सीमा छोड़ दी है, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली है। वन विभाग के अनुसार, चारों हाथी अब अपने पारंपरिक मार्ग पर लौट चुके हैं और गुरुवार तड़के करीब 5 बजे अनूपपुर जिले की अहिरगवा बीट में प्रवेश कर चुके हैं। वन अधिकारियों का कहना है कि हाथी अब छत्तीसगढ़ की ओर अपने पुराने रास्ते

से आगे बढ़ रहे हैं। इससे पहले ये हाथी दो दिन तक बुढार वन परिक्षेत्र में ठहरे थे।विचारपुर से शुरू हुई थी दस्तक चारों हाथी सबसे पहले 13 जुलाई को तड़के उमरिया जिले के घुनघुटी वन परिक्षेत्र से शहडोल के विचारपुर गांव पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने शहडोल-सिंहपुर मुख्य मार्ग पार किया और बुढार हाईवे पर भी देखे गए थे। हाथियों की मौजूदगी से स्थानीय लोगों में डर का माहौल बन गया था। स्थिति को संभालने के लिए वन विभाग ने विशेष निगरानी दल बनाए थे। पुलिस भी लगातार सहयोग कर रही थी।80 किलोमीटर का सफर कर पहुंचे सही मार्ग पर वन विभाग के अनुसार, पांच दिनों में हाथियों ने लगभग 80 किलोमीटर का सफर तय किया और अब वे अपने पुराने प्राकृतिक मार्ग पर लौट चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि हाथी मूलतः अनूपपुर से उमरिया और फिर छत्तीसगढ़ की ओर आते-जाते हैं। लेकिन इस बार उन्हें लोगों द्वारा खदेड़े जाने पर वे भटक कर शहडोल की सीमा में प्रवेश कर गए थे। इस दौरान हाथियों ने कई खेतों और कुछ घरों को नुकसान पहुंचाया। वन विभाग ने नुकसान का आकलन कर पंचनामा तैयार किया है, जिसे राजस्व विभाग को सौंपा जाएगा।

नशा मुक्ति तथा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम द्वद्व शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, शाहगंज. जिला सीहोर

सभी के लिए परिसर (HUNAR पहल) का शुभारंभ एवं नशा मुक्ति तथा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) शाहगंज में सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस विभाग एवं स्वास्थ्य विभागं के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया और प्रशिक्षणार्थियों को उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया। शासकीय आई टी आई शाहगंज के प्रशिक्षण अधिकारी श्रीमति पूजा मालवीय एवं श्री कमलेश पटेल द्वारा हुनर पहल के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य झलकियाँ-

सभी के लिए परिसर (Campus for All)– संस्थान द्वारा विशेष रूप से महिलाओं के लिए एक सुरक्षित, स्वच्छ और अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने हेतु इस पहल की शुरुआत की गई है।

सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन एवं डिस्पोजल मशीन का शुभारंभ- महिला प्रशिक्षणार्थियों की सुविधा हेतु सेनेटरी पैड डिस्पेंसर एवं पैड निस्तारण मशीन का उद्घाटन माननीय अतिथियों द्वारा किया गया। अब कोई भी प्रशिक्षणार्थी अथवा आम नागरिक मात्र 5 में सेनेटरी पैड प्राप्त कर सकता है, जो बाजार मूल्य से कम है।

साथ ही, उपयोग किए गए पैड को सुरक्षित तरीके से नष्ट करने के लिए डिस्पोजल मशीन की व्यवस्था की गई है, जिससे परिसर में स्वच्छता और स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलेगा।

जागरूकता सत्र- पुलिस विभाग के अधिकारी स्ङ्घ पूनम राय ASI दिनेश प्रसाद शर्मा constable प्रीति तुमराम आरक्षक योगेश चौरे की उपस्थिति में

नशा मुक्ति सत्र- पुलिस विभाग के अधिकारियों ने युवाओं को नशे की लत के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए स्वस्थ और अनुशासित जीवन जीने की प्रेरणा दी।

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सत्र- स्वास्थ्य विभाग की टीम ने व्यक्तिगत स्वच्छता, मासिक धर्म स्वच्छता, और सुरक्षा उपायों पर विस्तार से जानकारी दी।

विशेष धन्यवाद- पुलिस विभाग के अधिकारी स्ङ्घ पूनम राय ASI दिनेश प्रसाद शर्मा क Constable प्रीति तुमराम आरक्षक योगेश चौरे की उपस्थिति में एवं

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी Shiksha nagar Health adolescent counselor civil hospital budni

TR yadav BEE Civil hospital budni

Vandana rathore ANM shaganj

Kavita rana ANM shaganj

Chouhan singh chouhan Sectorsupervisor

एवं समस्त टीम को, जिन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हम समाज को नशा मुक्त एवं महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है प्राचार्य श्री भूपेन्द्र चांदेकर का, जिनके कुशल नेतृत्व में नशा मुक्ति तथा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम सभी के लिए परिसर (HUNAR पहल) साकार हो सकी।

कार्यक्रम की कुछ प्रमुख झलकियाँ संलग्न चित्रों में देखी जा सकती हैं।

शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम राष्ट्रीय सेवा योजना बालिका इकाई द्वारा वृक्षारोपण किया गया

बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम राष्ट्रीय सेवा योजना बालिका इकाई द्वारा वृक्षारोपण किया गया हरियाली से ही खुशियली का निर्माण हो सकता है हरियाली उत्सव में कार्यक्रम अधिकारी डॉ ईरा वर्मा ने पौधे लगाकर पर्यावरण निर्माण करने में समाज से सहयोग करने की अपील की प्रत्येक छात्र ने एक पौधा लगाने का संकल्प लिया यह प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह पर्यावरण निर्माण करने में सहयोग करें वृक्ष हमारे जान है मानव जीवन की पहचान है छात्राओं ने नारे लगाकर समाज को हरियाली निर्माण करने में सहयोग करने की अपील कीहरियाली महोत्सव छात्राओं द्वारा महाविद्यालय परिसर में पौधे लगाकर मनाया गया राष्ट्रीय सेवा योजना की बालिकाओं ने समाज को पौधे लगाकर हरियाली निर्माण करने का संदेश दियाकार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर इरा वर्मा के नेतृत्व में छात्राओं ने पौधा लगाने का हरियाली निर्माण करने का संकल्प लिया कार्यक्रम में कुमारी रिचा मेहरा पूजा चौहान मुस्कान यादव आयुषी मेघा शिवानी पलक महक यादव कुमकुम प्रीति कटारे इत्यादि छात्राओं ने भाग लिया राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं द्वारा पौधे लगाकर पर्यावरण निर्माण करने में सहयोग करने की अपील की गई।

प्रमिला चौधरी को मिला प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ

ज्ञान चन्द शर्मा (युवा प्रदेश)

सरस्वती नगर वार्ड न. 28 बालाघाट की निवासी प्रमिला चौधरी को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ मिला है। कलेक्टर श्री मृणाल मीणा ने 08 जुलाई को प्रमिलाबाई को उसकी बेटी की मृत्यु होने पर 02 लाख रुपये की बीमा राशि का प्रतीक स्वरूप चेक प्रदान किया है। इस अवसर पर अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री संजीव कुमार एवं मप्र ग्रामीण बैंक बालाघाट के शाखा प्रबंधक श्री निमिश शर्मा उपस्थित थे। प्रमिलाबाई चौधरी की पुत्री सीता चौधरी द्वारा मप्र ग्रामीण बैंक शाखा बालाघाट में अपना खाता खुलवाया गया था। सीता चौधरी ने 25 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 436 रुपये की राशि जमा कर अपना बीमा कराया था। सीता चौधरी का 20 फरवरी 2025 को निधन हो गया है। उसके निधन के पश्चात वारिस माता प्रमिलाबाई चौधरी को 02 लाख रुपये की बीमा राशि स्वीकृत की गई थी। बैंक के शाखा प्रबंधक श्री निमिश शर्मा ने इस प्रकरण में संवेदनशील होकर तत्परता के साथ बीमा राशि स्वीकृत करायी है। प्रमिलाबाई चौधरी ने बताया कि 02 लाख रुपये की राशि उनकी मृत बेटी को वापस तो नही ला सकती है लेकिन उसके दुःख को कुछ कम कर सकती है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में अपना बीमा अवश्य कराए। यह बीमा बहुत कम राशि में हो जाता है और विपत्ति के समय बड़ा सहारा मिला।

सीवर लाइन के गड्ढे में दबे दो मजदूर, राहत व बचाव कार्य जारी; एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची

संभागीय संवाददाता -राजू राय

इस घटना में दबे दोनों मजदूरों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। घटनास्थल पर मौजूद सोहागपुर थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पांडे ने कहा, हम पूरी कोशिश कर रहे हैं कि दोनों मजदूरों को बाहर निकाला जाए ।शहडोल के सोहागपुर थाने के वार्ड नं 1, कोनी में एक गंभीर हादसा हुआ, जहां सीवर लाइन के लिए गड्ढा खोदते समय दो मजदूर मिट्टी में दब गए। घटना बारिश के बीच हुई, बारिश के बावजूद सीवर लाइन का काम जारी रखा गया था, जो कि कंपनी की लापरवाही को उजागर करता है।आसपास के स्थानीय निवासियों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया, लेकिन उनकी प्रयास नाकाम साबित हुईं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। हालांकि, मिट्टी धसकने की वजह से बचाव कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है।स्थानीय निवासी मन्नू वर्मा ने कहा, हमने तुरंत मदद करने की कोशिश की, लेकिन मिट्टी इतनी तेजी से धसक रही थी जिससे हम दोनों को बाहर नहीं निकाल पाए,और दोनों मजदूर मदद की गुहार लगा रहे थे और लोग देख कर भी कुछ नहीं कर सके। क्यों कि मिट्टी का धसकना जारी था इस घटना में दबे दोनों मजदूरों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। घटनास्थल पर मौजूद सोहागपुर थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पांडे ने कहा, हम पूरी कोशिश कर रहे हैं कि दोनों मजदूरों को बाहर निकाला जाए। लेकिन मिट्टी में धंसने की वजह से सभी सावधानियां बरतनी पड़ रही हैं।सीवर लाइन का यह काम स्थानीय प्रशासन की देखरेख में चल रहा था, और ऐसे समय में काम जारी रखने पर सवाल उठते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के कारण ऐसी स्थिति में काम करना बेहद जोखिम भरा था। वहीं, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है और प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि मजदूरों को जल्द से जल्द निकाला जाएगा। घटना के बाद इलाके में लोग भयभीत हैं और प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि भविष्य में ऐसी लापरवाहियों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

भारत का लक्ष्य दुश्मन की मिसाइलों के खिलाफ अपने राफेल लड़ाकू विमानों की रक्षात्मक क्षमताओं को बढ़ाना

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

भारत अपने राफेल लड़ाकू विमानों के बेड़े की क्षमताओं को बढ़ाने पर विचार कर रहा है। भारत का लक्ष्य दुश्मन की मिसाइलों के खिलाफ अपने राफेल लड़ाकू विमानों की रक्षात्मक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए एक छद्म तंत्र की खरीद में तेजी लाना है। ऑपरेशन सिंदूर के प्रारंभिक चरण के दौरान, राफेल विमानों ने भारतीय सैन्य ठिकानों के खिलाफ पाकिस्तानी कार्रवाई के जवाब में उनके हवाई प्रतिष्ठानों पर मिसाइल हमले किए। राफेल के लिए डिकॉय सिस्टम- भारत वायुसेना के लड़ाकू विमानों के लिए एक्स गार्ड की डिलीवरी में तेजी लाना चाहता है; जानिए कैसे काम करता है यह सिस्टम इन विमानों से प्रक्षेपित लंबी दूरी की मिसाइलों ने महत्वपूर्ण पाकिस्तानी लक्ष्यों पर सटीक प्रहार किया, तथा पूर्व चेतावनी विमान आश्रयों, मानव रहित हवाई वाहन सुविधाओं, कमांड केंद्रों और हवाई क्षेत्रों को सफलतापूर्वक निशाना बनाया।एक रिपोर्ट के अनुसार, एक्स गार्ड फाइबर ऑप्टिक टोड डिकॉय सिस्टम, जिसका ऑर्डर भारतीय वायु सेना ने राफेल लड़ाकू जेट की क्षमताओं को उन्नत करने के लिए दिया है, विवादित हवाई क्षेत्र में संचालन को सक्षम बनाता है। वित्तीय दैनिक द्वारा उद्धृत सूत्रों के अनुसार, हालांकि इजरायल के राफेल द्वारा निर्मित प्रणाली को विमान में सफलतापूर्वक एकीकृत और परीक्षण किया गया है, लेकिन आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्षों के कारण डिलीवरी कार्यक्रम प्रभावित हुआ है। अधिकारी राफेल लड़ाकू जेट की मिसाइल रक्षा क्षमताओं को बेहतर बनाने में इस प्रणाली के महत्व को समझते हुए, इसकी आपूर्ति में तेजी लाने के लिए काम कर रहे हैं। इजरायली वायु सेना अक्सर एक्स गार्ड का उपयोग करती है, जो एक परिष्कृत पुन- प्रयोज्य प्रलोभन तंत्र है जो लड़ाकू विमानों की इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों के साथ मिलकर काम करता है। यह उपकरण, जो लड़ाकू जेट की विशिष्ट विशेषताओं को प्रतिरूपित करता है, एक कठोर बिंदु से जुड़े पॉड के भीतर रखा जाता है तथा उच्च-दांव वाले ऑपरेशनों के दौरान इसका उपयोग किया जाता है। उड़ान में तैनात होने पर, यह उपकरण फ़ाइबर-ऑप्टिक केबल के ज़रिए लड़ाकू विमान से संपर्क बनाए रखता है। इसका मुख्य कार्य हवा से हवा और ज़मीन से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के लिए एक लक्ष्य के रूप में काम करना है, और खुद

फ़ाइल फोटो

को एक संभावित लक्ष्य के रूप में प्रस्तुत करके उन्हें वास्तविक विमान से प्रभावी रूप से दूर खींचना है। मिशन पूरा होने पर, यह प्रणाली उड़ान के बीच में ही इसे वापस खींच लेने तथा इसके निर्दिष्ट पॉड में सुरक्षित भंडारण की सुविधा प्रदान करती है।भारतीय राफेल लड़ाकू विमान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बहावलपुर और मुरीदके में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाते हुए असाधारण सटीकता का प्रदर्शन किया। इन विमानों में भारतीय आवश्यकताओं के लिए विशेष संशोधन किए गए हैं, जिनमें हेलमेट-माउंटेड डिस्प्ले सिस्टम, इन्फ्रा रेड सर्च और ट्रैक सेंसर, तथा उच्च ऊंचाई वाले ठिकानों से प्रभावी ढंग से कार्य करने की क्षमताएं शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यद्यपि भारत की परमाणु निवारण रणनीति में पाकिस्तान प्राथमिक विचारणीय बिंदु बना हुआ है, तथापि चीन के पार लक्ष्यों पर हमला करने की क्षमता वाली विस्तारित दूरी की हथियार प्रणालियों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। परंपरागत रूप से, भारत शांति काल के दौरान अपने परमाणु आयुधों को तैनात लॉन्चरों से अलग रखता रहा है। हालाँकि, हाल के घटनाक्रम, जैसे कि कैनिस्टर में मिसाइलों की तैनाती और समुद्र-आधारित निवारक अभियान, शांति काल के दौरान कुछ आयुधों को उनके लॉन्चरों से जोड़े रखने की ओर संभावित बदलाव का संकेत देते हैं।

किरायदारों, पेइंगगेस्ट, होटलों में रूकने वालों की जानकारी पुलिस को देना ज़रूरी

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

पुलिस आयुक्त भोपाल हरिनारायणचारी मिश्र ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए नगरीय क्षेत्र भोपाल शहर में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार भोपाल शहर स्थित आवासों में किराये से एवं पेइंगगेस्ट के रूप में रहने वाले व्यक्तियों तथा यहां पर आवासरत लोगों के घरों में काम करने वाले नौकर -

प्रतिकात्मक चित्र

चाकर छात्रावास में रह रहे छात्र - छात्राओं एवं अन्य निवास की जगहों पर रहने वाले व्यक्तियों की जानकारी पुलिस प्रशासन को देना आवश्यक होगा। साथ ही भोपाल शहर में आने- जाने वाले मुसाफिरों, जो कि शहर के विभिन्न होटल, लॉज, धर्मशाला, रिजोर्ट, रेस्टहाउस जैसे प्रतिष्ठानों में ठहरते हैं, उनकी जानकारी निर्धारित प्रोफार्मा अनुसार संधारित किया जाना आवश्यक होगा। यह आदेश जारी दिनांक से आगामी दो माह तक प्रभावशील रहेगा। उपरोक्त आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी। जारी आदेश अनुसार कोई भी मकान मालिक जो अपना मकान या उसका कोई भाग किराये पर देते है, तो वह ऐसा करने के एक सप्ताह के भीतर किरायेदार अथवा पेइंगगेस्ट का विवरण निर्धारित प्रारूप में भरकर संबंधित थाने पर या मध्यप्रदेश पुलिस सिटिज़न पोर्टल पर आवश्यक रूप से देंगे। पूर्व से रह रहे किरायेदार या नौकर का विवरण भी निर्धारित प्रारूप में भरकर यह आदेश जारी होने की दिनांक से 15 दिवस के भीतर संबंधित थाने पर या मध्यप्रदेश पुलिस सिटिज़न पोर्टल पर आवश्यक रूप से देंगे। किसी भी व्यक्ति का घरेलू नौकर या उनका सहायक का विवरण निर्धारित प्रारूप में आवश्यक रूप से संबंधित थाने पर या मध्यप्रदेश पुलिस सिटिज़न पोर्टल पर देंगे। होटल/लॉज/धर्मशाला/रिसोर्ट के प्रबंधक/मालिक उनके यहाँ ठहरने वाले व्यक्तियों का व्यक्तिगत विवरण पूर्ण रूप से रजिस्ट्रर में दर्ज करेंगें एवं इसकी जानकारी निर्धारित प्रारूप में आवश्यक रूप से संबंधित थाने पर जो भी स्थानीय स्तर पर प्रक्रिया निर्धारित की जाये उस अनुसार देंगे। इसी प्रकार छात्रावास संचालक छात्रावास में रह रहे छात्र/छात्राओं का विवरण निर्धारित प्रारूप में आवश्यक रूप से संबंधित थाने पर देंगे। ठेकेदार भवन निर्माणकर्ता निर्माण कार्य में लगे मजदूर कारीगरों का विवरण निर्धारित प्रारूप में आवश्यक रूप से संबंधित थाने पर देंगे। ठेकेदार, भवन निर्माणकर्ता निर्माण कार्य में लगे मजदूर कारीगरों का विवरण निर्धारित प्रारूप में आवश्यक रूप से संबंधित थाने पर देंगे। किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी भी भवन, सार्वजनिक स्थान एवं निजी स्थान पर किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक हथियार, अस्त्र शस्त्र, विस्फोटक सामग्री एवं ऐसी किसी भी वस्तु, जिससे जन सामान्य को खतरा महसूस हो का संधारण प्रतिबंधित होगा। यदि किसी समुदाय, संगठन, राजनैतिक दलों, समिति, प्रतिनिधि मंडल एवं आयोजकों द्वारा किसी सार्वजनिक स्थल, शासकीय परिसर, शासकीय कार्यालय भवन अथवा किसी भी सरकारी संपत्ति को अपने कार्यक्रम के द्वारा किसी भी प्रकार से क्षति पहुँचाई जाती है, तो इस प्रकार के कृत्यों के लिए कार्यक्रम के आयोजकों की जिम्मेदारी होगी तथा उनके विरूद्ध विधिसम्मत कार्यवाही की जा सकेगी।

अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन के प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन एवं प्रदेशाध्यक्ष माधव सिंह अहिरवार का जन्म दिन मनाया

मूलचन्द मेंधोनिया पत्रकार भोपाल

भोपाल। अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन भारत इकाई मध्यप्रदेश के प्रदेश मुख्यालय का उद्घाटन अशोका गार्डन भोपाल 80 फीट रोड में हुआ। प्रदेश कार्यालय का फीता काटकर रविदासिया धर्म संगठन के प्रदेश संयोजक एवं धर्माचार्य राधा किशन दास महाराज के करकमलों किया गया। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष माधव सिंह अहिरवार का जन्म दिन नवीन कार्यलय में मनाया गया। जिसमें रविदासिया धर्म के सैकड़ों प्रबुद्ध नागरिकों की उपस्थिति में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के पश्चात सभी को केक खिलाया और गुरु प्रसादी वितरित की गई। रविदासिया समाज के गौरव माधव सिंह को बधाई एवं शुभकामनाएं देने धर्म प्रेमी शामिल हुए। रविदासिया समाज के मध्यप्रदेश में जन्मे अमर शहीद शूरवीर मनीराम अहिरवार के परिवार की ओर से भी बधाई एवं मंगलमय शुभकामनाएं देते हुए। अध्यक्ष के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए मध्यप्रदेश की रविदासिया कौम से अपेक्षा की है कि अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार के सम्मान का भी नवीन कार्यलय से करते हुए शीघ्र प्रयास किया जाये ताकि समाज के महान क्रांतिकारी को सम्मान शासन द्वारा दिया जा सकें।

भोपाल में अनुसूचित जाति छात्र लामबंदः छात्रावास बंद किए जाने के खिलाफ ज्ञापन सौंपा, आंदोलन की चेतावनी

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

भोपाल। कलेक्टर कार्यालय अंतर्गत अनुसूचित जाति विकास एवं जनजाति कार्यालय द्वारा छात्रावास को नवीन निर्माण के नाम पर बंद किए जाने की अनुशंसा के विरोध में छात्र लामबंद हो गए हैं। इसके खिलाफ छात्रों ने अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के आयुक्त महोदय को संबोधित चार सूत्रीय मांगों वाला ज्ञापन विभाग के अपर आयुक्त श्री संजय वार्ष्णेय जी को सौंपा। ज्ञापन में मुख्य रूप से यह मांग की गई कि छात्रावास में नवीन प्रवेश को रोका जाना अनुचित है तथा जब तक नया निर्माण नहीं हो जाता, तब तक छात्रों को पीजी (प्राइवेट रेंटेड एकोमोडेशन) में प्रवेश देकर आवासीय सुविधा दी जाए। छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि विभाग द्वारा छात्रावास को पूर्ण रूप से जर्जर घोषित कर बंद करने की अनुशंसा बिना समुचित विकल्प के की गई है, जो छात्रों के हितों के विपरीत है। छात्रों का कहना है कि छात्रावास परिसर में कई हिस्से अभी भी सुरक्षित हैं और जिन हिस्सों में क्षति है, केवल उन्हीं का मरम्मत कार्य कराया जाए। इसके अलावा, परिसर में जो भूमि खाली पड़ी है, वहां विभाग नवीन भवन का निर्माण निर्धारित समयसीमा में करे, ताकि छात्रों को आवासीय संकट का सामना न करना पड़े। इस आंदोलन में अंबेडकर छात्रावास के पूर्व वरिष्ठ छात्र और वर्तमान छात्र बड़ी संख्या में शामिल हुए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द संज्ञान नहीं लिया गया तो वे प्रदेशव्यापी छात्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

जिद्द- एक इतिहास की घोषणा

ना चरणों की वंदना, ना कृपा की चाह,
संघर्ष ने ही सीखा दी स्वाभिमान की राह।
जहाँ बंद दरवाज़े थे, वहाँ दीवारें तोड़ी गई,
जहाँ नाम मिटाए गए, वहाँ पहचान गढ़ी गई।
हर अस्वीकार एक उद्घोष बना,
हर अपमान जनगाथा का शंख बना।
कभी दलित तो कभी नारी नाम से जो ठुकराए गए,
वहीं वंचित आज समाज की चेतना बन गए।
जो चूल्हों में सिसकती रही सदियाँ,
जो देहरी पर बाँध दी गई थीं अस्मिताएँ...
वही साँसें अब संविधान उकेरती हैं,
और मनुष्यता को फिर से परिभाषित करती हैं।

सपनों का रंग अब ऊँच-नीच से परे है,
यह जंग अब रोटी, शिक्षा और बराबरी के लिए है।
जो अनसुनी रहीं सदियाँ,
वही आवाज़ें अब न्याय की दस्तक बन गईं।
सफलता अब केवल मुकुट नहीं,
वह न्याय है — जो हर माथे पर टिके।
वह समता है — जो हर पाँव को पगडंडी दे,
और हर नाम को आवाज़।
संघर्ष अब व्यक्तिगत नहीं,
यह सामूहिक विरासत है।
जहाँ स्त्री, शूद्र, श्रमिक, शोषित...
सभी के स्वप्न सृजन के साझेदार हैं।
संघर्ष अब केवल निजी कथा नहीं,
यह समूची पीढ़ियों की दिशा है।
जहाँ स्त्री, श्रमिक, दलित, उपेक्षित...
अब मौन नहीं, प्रतिरोध की भाषा हैं।

हर घुटन, हर तिरस्कार अब मिट्टी नहीं सहती,
वह बीज बन फूटती है — क्रांति की खेती।
अब छतों से झाँकती नहीं,
धरती को नापती हैं वे पगध्वनियाँ।

वंचितों की वो जिद्द, अब इंकलाब बनती है,
जिसे रोका गया — वही नदी बन बहती है।
सफलता नहीं अब किसी कुल की संपत्ति,
यह हर उस हथेली की कथा है जो खुली हो संघर्ष में।

अब कलम तलवार है, स्वर आंदोलन है,
मौन, एक ज्वालामुखी की साँस है।
और यह जिद्द...
इतिहास को मोड़ने नहीं,
नव-इतिहास रचने की घोषणा है।

लेखिका- कु.प्रियंका
(पीएचडी शोधार्थी, सामाजिक कार्यकर्ता विचारक व चिंतक)

माओवादियों की साजिश नाकाम, सुरक्षा बलों ने 2 IED बरामद कर किए नष्ट

टेकमेटला के जंगल में केरिपु 196 वाहिनी की कार्रवाई

उसूर (बीजापुर), 17 जुलाई। माओवादियों की नापाक साजिश को सुरक्षा बलों ने एक बार फिर नाकाम कर दिया। केरिपु 196वीं बटालियन की टीम ने गुरुवार को उसूर थाना क्षेत्र के टेकमेटला के कच्चे रास्ते में 1.5 किलोग्राम वजनी दो बीयर बॉटल ढ्ढश्वष्ठ बरामद कर सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिए। जानकारी के अनुसार, केरिपु कैम्प उसूर से एरिया डॉमिनेशन व डिमाईनिंग ड्यूटी पर निकली 196वीं वाहिनी की टीम जब टेकमेटला की ओर बढ़ रही थी, उसी दौरान गश्त के दौरान सड़क किनारे संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। जांच करने पर मौके से दो नग बीयर बॉटल ढ्ढश्वष्ठ बरामद हुए, जिन्हें मौके पर केरिपु 196 बीडीएस टीम ने सावधानीपूर्वक निष्क्रिय कर दिया। बताया गया कि माओवादी सुरक्षाबलों को नुकसान पहुँचाने की मंशा से इन विस्फोटकों को कच्चे रास्ते में प्लांट कर रहे थे। समय रहते इन ढ्ढश्वष्ठ को डिटेक्ट कर नष्ट कर देना, सुरक्षा बलों की सतर्कता और सूझबूझ का परिचायक है।

क्षेत्र में लगातार सर्चिंग जारी

सुरक्षा बलों द्वारा क्षेत्र में लगातार सर्चिंग और डिमाईनिंग की कार्रवाई जारी है। अधिकारियों का कहना है कि माओवादियों की इस तरह की हरकतों का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा और क्षेत्र में शांति बहाल रखने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

हस्त शिल्प से जुड़े कलाकारों से कलेक्टर ने की चर्चा

जगदलपुर 17 जुलाई 2025/ कलेक्टर श्री हरिस एस और सीईओ जिला पंचायत श्री प्रतीक जैन की अध्यक्षता में बस्तर जिले में निर्मित हस्तकला जैसे ढोकरा आर्ट, सीसल कला, लकड़ी मूर्तिकला, तुंबा, पैरा आर्ट, बास, पत्थर, कौड़ी कला हस्तशिल्प से जुड़े मास्टर ट्रेनरों एवं प्रबन्धक हस्तशिल्प बोर्ड हस्त शिल्प से जुड़े गैर सरकारी संस्थाएं जो हस्तकला के क्षेत्र में ट्रेनिंग व मार्केटिंग का कार्य करने वालों की बैठक आस्था सभाकक्ष में किया गया। उपरोक्त बैठक में बस्तर जिले में हस्तशिल्पियों के द्वारा बनाए जा रहे विविध हैंडीक्राफ्ट सामनों को कलागुडी के माध्यम से बाजार की मांग अनुरूप बेहतर और गुणवत्तापूर्ण कैसे बनाया जा सके इस हेतु प्रशिक्षित किया जाने, जिससे अच्छा सामान तैयार किया जा सके। साथ ही हैंडीक्राफ्ट समान बनाने में उपयोग होने वाली मशीनों की उपलब्धता ताकि बनाए जाने वाले समानों की गुणवत्ता बेहतर हो। शिल्प कला से जुड़े शिल्पियों को लगातार रोजगार मिल सके ताकि उनकी आर्थिक स्थिति में और भी सुधार हो। शिल्पियों द्वारा बनाए गए उत्पादों के विक्रय हेतु सुव्यवस्थित स्थल होना। मास्टर ट्रेनरों एवं हस्तशिल्प से जुड़े सदस्यों को नए उत्पादों का प्रशिक्षण प्रदाय किया जाना प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षणार्थियों के कार्य की निगरानी लगातार किया जाना जिससे ट्रेनिंग परिणाम सर्वोपरि हो इन उपरोक्त सभी विषयों पर उपस्थित सभी प्रशिक्षकों से चर्चा किया गया।

दलित युवक से अमानवीय व्यवहार के बाद माफी मांगनी पड़ी तो भड़के जातिवादी, बहुजन प्रतीकों को बनाया निशाना भीम आर्मी मुर्दाबाद के लगाए नारे

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

देवरी, रायसेन। आज के दौर में दलितों का आत्म सम्मान से जीना दुर्लभ हो गया है। मध्य प्रदेश में दलितों पर अत्याचार की घटनाएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं ऐसी एक घटना रायसेन जिले के नगर परिषद देवरी में सामने आई जिसमें गूंगे दलित युवक के साथ की गई अमानवीय और जातिवादी हरकत — जिसमें दलित गूंगे युवक से जबरन पैर चटवाए, नाक रगड़वाई और हाथ जोड़वाए — ने पूरे इलाके में जनाक्रोश भड़का दिया है। इस घटना के खिलाफ जब भीम आर्मी और समाज के लोगों ने मुखर होकर विरोध दर्ज कराया, आरोपियों पर एफआईआर की मांग की, और पीड़ित से सार्वजनिक रूप से माफ़ी मंगवाई — तो जातिवादी मानसिकता बौखला उठी। उस दलित युवक के द्वारा जो कि विकलांग है 2021 में एक गाय के ऊपर पेशाब कर दी थी सकल हिंदु समाज ने इस बात को मुद्दा बनाकर दलितों का विरोध किया। नीला पटका जलाया गया, भीम आर्मी के खिलाफ नारेबाज़ी दुखद और निंदनीय बात यह रही कि जवाब में देवरी क्षेत्र में कुछ असामाजिक तत्वों ने नीला पटका जलाया और भीम आर्मी मुर्दाबाद के नारे लगाए। भीम आर्मी ने इसे न सिर्फ एक संगठन पर हमला बताया, बल्कि इसे पूरे बहुजन चेतना और प्रतीकों के अपमान के रूप में देखा।

भीम आर्मी ने प्रशासन को घेरा, देवरी थाने का घेराव

हज़ारों की संख्या में भीम आर्मी और समाज के लोगोंने देवरी थाना पहुंचे और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो देवरी बंद किया जाएगा और इसकी ज़िम्मेदारी प्रशासन की होगी।

प्रमुख मांगें —

- जातिवादी अपराधियों पर एस्ट/एस्ज्ञ अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत तत्काल मामला दर्ज किया जाए।
- जिन अधिकारियों ने अब तक इस मामले में लापरवाही बरती है, उन पर दंडात्मक कार्रवाई की जाए।
- बहुजन प्रतीकों का अपमान करने वालों पर राजद्रोह की धाराएं लगाई जाएं।

भीम आर्मी का बयान —

हम यह स्पष्ट कर देना चाहते हैं — जो नीला पटका जलाते हैं, उन्हें कानून की आंच में झुलसाना ही पड़ेगा। यह आग नफरत की नहीं, जनक्रोध की है।

जनता का सवाल — सरकार किसके साथ?

प्रशासन की चुप्पी पर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मुख्यमंत्री की खामोशी कहीं ना कहीं आरोपियों को मौन समर्थन देती नज़र आ रही है।

अब सवाल उठता है — क्या बहुजन प्रतीकों का अपमान और दलितों की सार्वजनिक बेइज्जती पर भी सत्ता मौन रहेगी? क्या कानून सिर्फ कुछ वर्गों के लिए ही है।

महाबोधि महाविहार के प्रबंधन में बदलाव की मांग को लेकर 21 जुलाई को RBM का शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन

बौद्ध धम्म स्थलों की रक्षा हेतु देशभर में ज्ञापन अभियान।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

भोपाल। 21 जुलाई 2025 को राष्ट्रीय बौद्ध महासंघ (RBM) के नेतृत्व में देश के सभी जिलों में एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। यह आंदोलन तथागत बुद्ध के मानवतावादी दर्शन, सम्राट अशोक की विरासत और बौद्ध संस्कृति की रक्षा के लिए हो रहा है। RBM ने बताया कि महाबोधि महाविहार — जो कि बोधगया में स्थित बौद्धों का प्रमुख तीर्थ स्थल है — का प्रबंधन अभी भी 1949 के बीटीएमसी एक्ट के तहत गैर-बौद्धों द्वारा संचालित हो रहा है, जो कि संविधान लागू होने से पूर्व का अवैधानिक कानून है। इसे संविधान के मूल मूल्यों और बौद्धों की धार्मिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बताया गया है। बौद्ध अनुयायियों द्वारा 12 फरवरी 2025 से इस प्रबंधन को बौद्धों को सौंपने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन चलाया जा रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इसी के समर्थन में 21 जुलाई को यह राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है धरना प्रदर्शन के पश्चात जिलों के कलेक्टरों के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति एवं बिहार के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। RBM के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, बौद्ध श्रद्धालुओं एवं डॉ. अम्बेडकर के अनुयायियों से आह्वान किया है कि वे अपने-अपने जिलों में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस संघर्ष को समर्थन दें।

खेरे पिपरिया से पंचायत रिछवार तक सड़क न बनने से ग्रामीणों की परेशानियां बढ़ीं, 20 साल से लंबित है मांग

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

देवरी/रिछवार (जिला रायसेन)। ग्राम खेरे पिपरिया को ग्राम पंचायत रिछवार से जुड़े हुए 20 वर्ष से अधिक हो चुके हैं, परंतु आज तक दोनों के बीच पक्की सड़क का निर्माण नहीं हो सका। ग्रामीणों के अनुसार, पंचायत से जोड़ने वाली सड़क आज भी कच्ची है और बरसात के दिनों में पूरी तरह अवरोधित हो जाती है। सड़क बंद होने की स्थिति में ग्रामीणों को देवरी होकर रिछवार जाना पड़ता है, जिससे उन्हें लगभग 40 किलोमीटर की लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। यह स्थिति विशेष रूप से बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, स्कूल जाने वाले बच्चों और बीमार व्यक्तियों के लिए बेहद परेशानीभरी साबित हो रही है।

ग्रामीणों की मांग

ग्रामीणों ने बताया कि यदि इस सड़क पर मुरम या बारीक गिट्टी ही डाल दी जाए, तो भी कम से कम बरसात के दिनों में रास्ता बंद नहीं होगा। उनका कहना है कि यह काम वर्षों से फाइलों में अटका हुआ है, जबकि इसकी शिकायतें और आवेदन कई बार जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों को दिए जा चुके हैं।

राजनगर कोल माइंस की ब्लास्टिंग से डोला के ग्रामीण दहशत में, घरों में दरारें

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर
बिजुरी /राजनगर

बिजुरी/रामनगर,रामनगर थानाक्षेत्र स्थित राजनगर (ओसीएम) कोल माइंस द्वारा की जा रही अनियंत्रित ब्लास्टिंग ने डोला नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 12 के ग्रामीणों में दहशत फैला दी है। 10 जुलाई 2025 को ग्रामीणों ने रामनगर थाना प्रभारी को एक लिखित शिकायत पत्र सौंपकर अपने मकानों में दरारें पड़ने और जानमाल की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता भी जताई थी। शिकायतकर्ता गोविंद प्रजापति के नेतृत्व में ग्रामीणों ने बताया कि 10 जुलाई की दोपहर लगभग 01 बजे ओसीएम माइंस द्वारा की गई भारी ब्लास्टिंग से वार्ड 12 के कई घरों की दीवारें हिल गईं और उनमें दरारें पड़ गईं। इस विस्फोट से कच्चे और पक्के दोनों तरह के मकानों की संरचना को नुकसान पहुँचा है।

घरों को नुकसान और मानसिक तनाव- ग्रामीणों ने बताया कि विस्फोट की आवाज़ इतनी तेज़ थी कि आसपास के पशु डर के मारे इधर-उधर भागने लगे, जिससे छोटे बच्चों और बुजुर्गों को मानसिक तनाव का सामना करना पड़ा। शिकायत में उल्लेख किया गया है कि विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि घरों की छतें तक हिल गईं और दीवारों में बड़ी दरारें आ गईं।

कई मकान अब रहने योग्य नहीं बचे हैं- ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कोई कदम नहीं उठाया गया, तो किसी बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।

ग्रामीणों की प्रमुख मांगें- ग्रामवासियों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है और निम्नलिखित मुख्य मांगें भी रखी हैं- जिनमें मुख्यत: ब्लास्टिंग पर तत्काल रोक लगाई जाए, प्रभावित मकानों का सर्वे कराकर मुआवज़े और पुनर्वास की व्यवस्था की जाए, खदान प्रबंधन पर कानूनी कार्रवाई की जाए, भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए विज्ञानसम्मत निगरानी प्रणाली लागू की जाए।

आंदोलन की चेतावनी- ग्रामवासियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन और खनन विभाग इस विषय पर जल्द ध्यान नहीं देते हैं, तो वे जिला मुख्यालय में धरना और विरोध प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे। ग्रामीणों ने अपने घरों की दरारों के फोटो और वीडियो फुटेज भी शिकायत के साथ संलग्न किए हैं, ताकि प्रशासन को वास्तविक स्थिति की गंभीरता समझाई जा सके। यह घटना दर्शाती है कि विकास कार्यों के नाम पर जनसुरक्षा की अनदेखी के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन, खनिज विभाग और पर्यावरणीय एजेंसियों से तत्काल कार्रवाई की अपील की है ताकि उनके जीवन, संपत्ति और स्वास्थ्य को सुरक्षित रखा जा सके।

हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी किशोर बच्चों और युवाओं को नशे से दूर रखें नशे से दूरी- है जरूरी अभियान का शुभारंभ

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने मंगलवार 15 जुलाई 2025 को पुलिस मुख्यालय, भोपाल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 15 जुलाई से 30 जुलाई तक चलाए जाने वाले वृहद नशा मुक्ति जन-जागरूकता अभियान ''नशे से दूरी-है जरूरी'' का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश तथा अभियान के पोस्टर का विमोचन कर किया। डीजीपी मकवाणा ने कहा कि समाज में नशे की प्रवृत्ति की प्रभावी रोकथाम के यह जनजागरूकता अभियान ''नशे से दूरी-है जरूरी'' मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ड्रग्स- ये शब्द सुनते ही दिमाग में कई दृश्य उभरते हैं- दुर्बल शरीर, नशीली आंखे, धुऐं का गुबार और अंधकार। मादक पदार्थों के सेवन की लत कई युवाओं को खोखला कर उनके परिवारों को भी बर्बाद कर रही है। देश एवं प्रदेश के शीर्षस्थ राजनैतिक नेतृत्व भी इस विकराल समस्या से चितिंत एवं इसके निदान हेतु प्रयासरत है। हम सभी की ये नैतिक जिम्मेदारी है कि इसके दुष्प्रभावों से विशेषकर किशोर बच्चों और युवाओं को अवगत कराएँ और नशे से दूर रखें। उन्होंने कहा कि ''हमारा है यही संदेश- नशा मुक्त हो मध्यप्रदेश''। इस अवसर पर विशेष पुलिस महानिदेशक सी आई डी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक नारकोटिक्स पुलिस महानिरीक्षक सहायक पुलिस महानिरीक्षक उपस्थित रहें। अभियान में उच्च शिक्षा विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग सहित अन्य विभाग, एनजीओ, धार्मिक संस्थान आदि की सक्रिय सहभागिता रहेगी।

सदस्यता ही संगठन की जान है और इसे हम सबको बनाये रखना होगा

बृजेन्द्र प्रताप सिंह कमला प्रसाद ने बीएमएस छोड़ इंटक का हाथ थामा

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। बिजुरी कालरी के एसईकेएमसी इंटक शाखा ने बिजुरी नगर के प्रतिष्ठ विश्वास मैरिज लॉन में बिजुरी कालरी के कामगारों में स्वतंत्र संवाद परम्परा बनाये रखने के दृष्टिगत श्रम सम्मेलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया ।जिसकी अध्यक्षता इंटक के क्षेत्रीय अध्यक्ष बृजेन्द्र प्रताप सिंह इंटक, हसदेव क्षेत्र ने किया । इस कार्यक्रम में बिजुरी कालरी से सेवानिवृत हुये वरिष्ठ इंटक नेता तिलकराम विश्वकर्मा जी का इंटक के द्वारा बिदाई स्वरूप साल श्रीफल सहित माला पहना कर इंटक के क्षेत्रीय अध्यक्ष बृजेन्द्र प्रताप सिंह ,महामंत्री जेपी श्रीवास्तव, विक्रमा सिंह क्षेत्रीय कल्याण समिति सदस्य, इंटक, हसदेव क्षेत्र, प्रदीप सिंह क्षेत्रीय सुरक्षा समिति सदस्य ,इंटक ,हसदेव क्षेत्र आदि ने सम्मानित किया वही बीएमएस से छोड कर कमला प्रसाद श्रमिक नेता ने इंटक का दामन थाम लिया । जिसे क्षेत्रीय अध्यक्ष बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने पूष्पमाला से इंटक में स्वागतम किये कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये बृजेन्द्र प्रताच सिंह ने उपस्थित सभी कार्यकत्ताओं से कहा कि हम सभी शाखा से जुडे साथियों का असली पहचान वहा कि सदस्यता ही है इस लिये सभी से अपील है कि सदस्यता अभियान में जुड कर इंटक की सदस्यता बढायें । क्षेत्रीय महामंत्री जेपी श्रीवास्तव- ने आप जिस युनियन का सदस्य बन कर बडा बनाते है वहॉ वर्तमान में स्कूल बस की है और बडा संघठन मौन है । इंटक इस समस्या को लेकर प्रबन्धन का नींद हराम कर रखा है श्रमिक नेता विक्रमा सिंह सम्बोधन करते हुये उपस्थित जनों को 28 जुन 2025 को हुये औधौगिक वार्ता का जिक्र करते हुये । कहा कि एसईसीएल के केन्द्रीय अध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह का हसदेव क्षेत्र परिवार ह्दय से आभार व्यक्त करता है कि कोयला श्रमिको के केरियर ग्रोथ और चिकित्सा सुविधा में आ रहे अडचनों पर एसईसीएल प्रबन्धन पर वार्ता में दवा बना कर दोनो मुद्दो पर आवश्यक पहल करा लिये । विक्रमा सिंह ने कहा कि

प्रबन्धन श्रम कल्याण के दृष्टिगत क्षेत्रीय महाप्रबन्धक कार्यालीन स्तर पर पत्र व्यवहार आरम्भ कर दिया है चिकित्सा के रेफरल प्रक्रिया में आप सभी को सिंगल विंडों प्रणाली का लाभ प्राप्त होगा । वही बहुत से नये उच्च शिक्षा प्राप्त श्रमवीर उधोग में सेवाये दे रहे है । उन को लेकर इंटक ने वार्ता में प्रबन्धन से केरियर ग्रोथ पर पहल करा दिया ।जिसमें बीई,बीटेक, डिप्लोमा धारियों के उज्जवल भविष्य का रास्ते खुलेगें कार्यक्रम संचालन प्रदीप सिंह ने किया एवं इसमें तिलकराम विश्वकर्मा कार्यवाहक अध्यक्ष इंटक बिजुरी कालरी,प्रेमनारायण तिवारी, जेसीसी बिजुरी, राजेष कुमार अध्यक्ष-इंटक ,बिजुरीकालरी,सोनू सिंह सचिव-इंटक,बिजुरी कालरी ,समेश यादव अध्यक्ष-नगर इंटक, बिजुरी , रामाश्रय यादव जेसीसी इंटक,राजनगर आरओ कमला प्रसाद, राजू कुमार, गणेश प्रसाद नापित, विनोद शंकर यादव,बिजेन्द्र मिश्रा अध्यक्ष-नगर इंटक, नगर कमेटी, डोला ,राजमन,भुपराम , त्रिशुल यादव,सीताराम,दशरथ , बुद्धु केवट,कल्याण सिंह,अंतराज सिंह,कमलेश कोल, राजू चौधरी,शरद कुमार, करमू कुमार डांसर, तेजभान सिंह परिहार नगर महामंत्री, इंटक,बिजुरी,सच्चितानन्द शुक्लाष् दिनेश साहनी, रामजी शर्मा आदि शामिल रहे।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :-** नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)